

ॐ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

केशवकुंज, देशबन्धु गुप्ता मार्ग, झण्डेवाला नई दिल्ली-११००५५

02 / 05 / 2013

पाकिस्तान की जेल में हुई सरबजीत सिंह की हत्या पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री मनमोहन वैद्य जी का वक्तव्य

पाकिस्तान की जेल में हुए जानलेवा हमले में भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की दुःखद मृत्यु से सारा देश गहरी चोट एवं आक्रोश अनुभव कर रहा है। भारत पर आतंकी हमले के दोषी पाये गए अफजल गुरु को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर फांसी दिए जाने की प्रतिक्रिया के रूप में सरबजीत सिंह पर जेल में हमला हुआ था। यह हमला सरबजीत सिंह नामक व्यक्ति पर नहीं अपितु भारत के संविधान और न्यायिक प्रक्रिया पर किया गया परोक्ष प्रहार था। सरबजीत सिंह ने पाकिस्तानी अधिकारियों के समक्ष स्वयं पर हमला होने की आशंका जताई थी। परंतु इसके बावजूद वहां की सरकार ने उनकी उचित सुरक्षा अथवा उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए कोई उचित कदम नहीं उठाया। यह अपने आप में अति गंभीर त्रुटि है।

सरबजीत का क्या अपराध था? पाकिस्तानी न्यायालय द्वारा उन्हें जो सजा सुनाई गई वह कितनी उचित थी? अभी इस पर भी मतैक्य नहीं है। ऐसे में सजा काट रहे व्यक्ति को जेल में ही निशाना बनाया जाना पाकिस्तान की पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। भारत सरकार को इस विषय का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए पाकिस्तान की कड़ी भर्त्सना करनी चाहिए।

आज सरबजीत सिंह के परिजन गहरे दुःख के भंवर में हैं। उनके आंसू और छटपटाहट पूरे राष्ट्र के मानस को मथ रहे हैं। परिजनों की पीड़ा और राष्ट्र का गुस्सा सर्वथा उचित ही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुःख की इस घड़ी में दिवंगत सरबजीत सिंह के परिवार के साथ खड़ा है। सरबजीत सिंह की आत्मा को परम शांति प्राप्त हो तथा परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति मिले यही परमेश्वर से प्रार्थना है।

The Brutal and Barbarian attacks on Indian citizen Shri Sarabjeet Singh who was lodged in a Pakistani jail proved fatal and led to his untimely death. This has saddened and angered people across India. The attacks on Shri Sarabjeet by Pakistani hooligans was to avenge the hanging of Afzal Guru who was hanged only when India's Supreme Court awarded him with death sentence after finding him guilty.

On the contrary, there was no unanimity in Pakistan over either on the nature of offence or on the quantum of sentence awarded to Shri Sarabjeet by the Pakistani courts. In this context brutal attacks on an individual lodged in Pakistani jail raises a big question mark on political and judicial set up of Pakistan.

In fact, the attacks have not happened on an individual named Sarabjeet Singh, rather it is an open assault on India's Constitution and its Judicial set up.

Earlier on, Sarabjeet Singh had expressed concerns over his safety with the authorities in Pakistan. Sarabjeet had apprised the Pakistani authorities about impending plans to attack him. Yet despite this the Pakistani authorities did little to provide any kind of security to him or to shift him to a safer location. This in itself is a serious error on the part of Pakistani authorities.

The Indian government should take cognizance of this unfortunate incident and condemn the incident in no uncertain words.

Today, the entire family of Shri Sarabjeet Singh is mourning his untimely death. Their anguish is justified.

Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) is with the family in their hour of profound grief. May the soul of Shri Sarabjeet Singh rest in peace and may God God give strength to his family members.

जारीकर्ता
राजीव तुली
दिल्ली प्रांत प्रचार प्रमुख